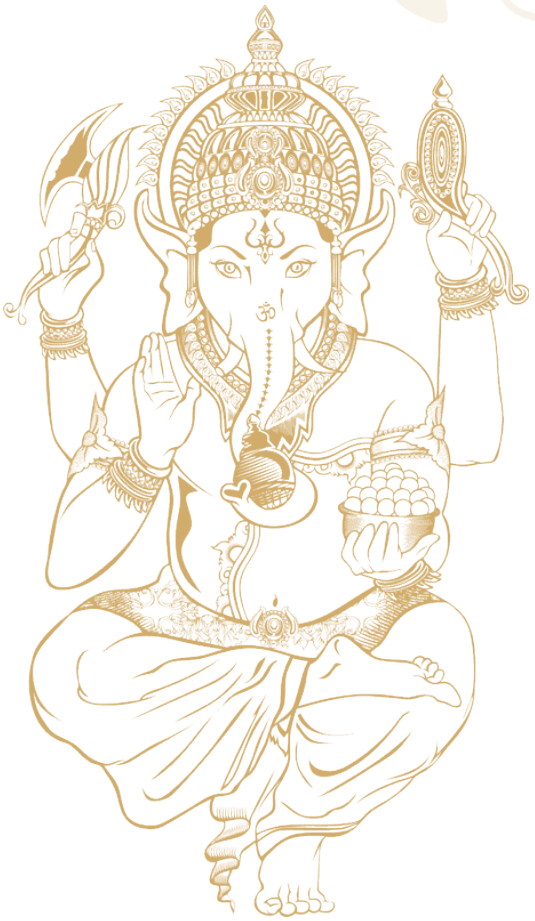

S

01 Feb 2026

05:40 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121140007

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:40:00 घंटे**
इष्ट	26:19:23 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:20:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	02:07:40 घंटे
सूर्योदय	07:08:14 घंटे
सूर्यास्त	17:57:39 घंटे
दिनमान	10:49:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:24:57 मकर
लग्न के अंश	15:30:39 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	15:30:39	306:24:45	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			मक	18:24:57	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	12:56:23	14:14:15	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	मक	12:54:05	00:46:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	26:08:48	01:46:08	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:04:51	00:06:38	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	24:35:25	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:28:02	00:05:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:51:59	00:03:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:51:59	00:03:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:21	00:00:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:55:49	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:29:22	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	09:56:54	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

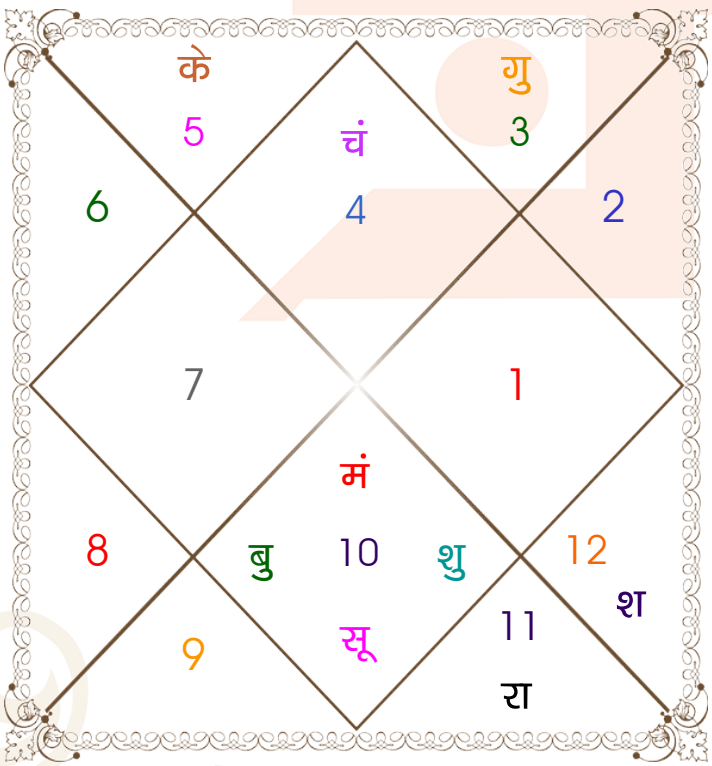

चन्द्र कुंडली

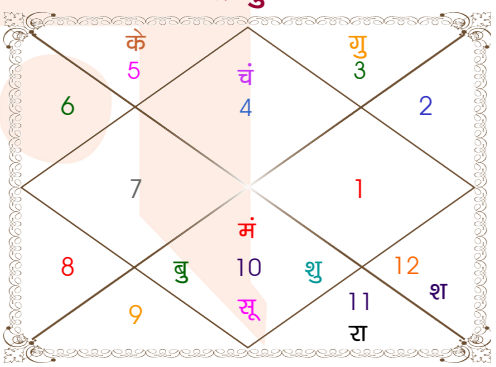

नवमांश कुंडली

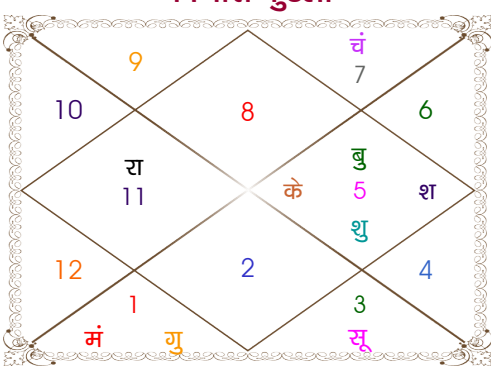

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 3 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2026		26/05/2031		25/05/2048		26/05/2055		26/05/2075	
26/05/2031		25/05/2048		26/05/2055		26/05/2075		26/05/2081	
	00/00/0000	बुध	22/10/2033	केतु	21/10/2048	शुक्र	25/09/2058	सूर्य	13/09/2075
	00/00/0000	केतु	19/10/2034	शुक्र	22/12/2049	सूर्य	25/09/2059	चंद्र	13/03/2076
	00/00/0000	शुक्र	19/08/2037	सूर्य	28/04/2050	चंद्र	26/05/2061	मंगल	19/07/2076
	00/00/0000	सूर्य	25/06/2038	चंद्र	27/11/2050	मंगल	26/07/2062	राहु	13/06/2077
	00/00/0000	चंद्र	25/11/2039	मंगल	26/04/2051	राहु	25/07/2065	गुरु	01/04/2078
	00/00/0000	मंगल	21/11/2040	राहु	13/05/2052	गुरु	25/03/2068	शनि	14/03/2079
	01/02/2026	राहु	10/06/2043	गुरु	19/04/2053	शनि	26/05/2071	बुध	18/01/2080
राहु	12/11/2028	गुरु	15/09/2045	शनि	29/05/2054	बुध	26/03/2074	केतु	25/05/2080
गुरु	26/05/2031	शनि	25/05/2048	बुध	26/05/2055	केतु	26/05/2075	शुक्र	26/05/2081

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/05/2081		26/05/2091		26/05/2098		26/05/2116		26/05/2132	
26/05/2091		26/05/2098		26/05/2116		26/05/2132		00/00/0000	
चंद्र	26/03/2082	मंगल	22/10/2091	राहु	06/02/2101	गुरु	14/07/2118	शनि	30/05/2135
मंगल	25/10/2082	राहु	09/11/2092	गुरु	03/07/2103	शनि	25/01/2121	बुध	06/02/2138
राहु	25/04/2084	गुरु	16/10/2093	शनि	09/05/2106	बुध	03/05/2123	केतु	18/03/2139
गुरु	25/08/2085	शनि	24/11/2094	बुध	25/11/2108	केतु	08/04/2124	शुक्र	18/05/2142
शनि	26/03/2087	बुध	22/11/2095	केतु	13/12/2109	शुक्र	08/12/2126	सूर्य	30/04/2143
बुध	25/08/2088	केतु	19/04/2096	शुक्र	13/12/2112	सूर्य	26/09/2127	चंद्र	28/11/2144
केतु	26/03/2089	शुक्र	19/06/2097	सूर्य	07/11/2113	चंद्र	25/01/2129	मंगल	07/01/2146
शुक्र	24/11/2090	सूर्य	25/10/2097	चंद्र	09/05/2115	मंगल	01/01/2130	राहु	02/02/2146
सूर्य	26/05/2091	चंद्र	26/05/2098	मंगल	26/05/2116	राहु	26/05/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 4 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगी। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकती हैं। उत्तम तो यह है कि आपका पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आप सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत पर नियंत्रण रखें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगी तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगी। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकती हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सकें। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करती हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगी। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि की भावुक स्त्री हैं। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पति के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगी। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहती हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस प्रवृति का

दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चिततापूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगी। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।